Edit with WPS Office

पूस की रात प्रश्नोत्तर

अभ्यास

प्रश्न 1 - हल्कू मुन्नी से पैसे क्यों माँग रहा था ?

उत्तर - सहना महाजन ब्याज की रकम वसूलने के लिए दरवाजे पर आ जमा था।इसलिए हल्कू मुन्नी से पैसे माँग रहा था।

Edit with WPS Office

प्रश्न 2 मुन्नी हल्कू को पैसे क्यों नहीं देना चाहती थी ?

उत्तर - पूस की भयंकर सर्दी नजदीक आ गई थी और हल्कू के पास कंबल न था।मुन्नी ने कंबल के लिए ही तीन रुपए बचाकर रखे थे।इसीलिए वह हल्कू को पैसे नहीं देना चाहती थी ।

Edit with WPS Office

प्रश्न 3 खेत में हल्कू रातभर क्यों नहीं सो पाया था ?

उत्तर - पूस की भयंकर ठंड में शीतलहर चल रही थी।हल्कू के पास एक चादर मात्र थी जिसके कारण उसे काफी ठंड लग रही थी। ठंड लगने के कारण वह रातभर सो नहीं पाया था।

Edit with WPS Office

प्रश्न 4 ठंड से बचने के लिए हल्कू ने क्या किया ?

उत्तर - ठंड से बचने के लिए हल्कू ने सात -आठ बार चिलम पी।अपने दोनों घुटनों के बीच सिर को छिपाकर बैठा।फिर उसने अपने कुत्ते जबरा को गोद में लेकर चिपटा लिया ताकि उसकी

Edit with WPS Office

देह से ही गरमी मिले।

प्रश्न 5 अंत में हल्कू ने क्या निर्णय लिया ?

उत्तर - अंत में हल्कू ने निर्णय लिया कि आम के बगीचे में जाकर पत्तियाँ बटोरी जाएँ और उन्हें जलाकर तापा जाए।

Edit with WPS Office

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न 1' पूस की रात ' कहानी के लेखक कौन हैं ?

उत्तर - 'पूस की रात ' कहानी के लेखक प्रेमचंद जी हैं।

प्रश्न 2 पूस का महीना किस ऋतु से संबंधित है ?

उत्तर - पूस का महीना शिशिर ऋतु से संबंधित है ।

Edit with WPS Office

प्रश्न 3 हल्कू ने कंबल के लिए कितने रुपए रखे थे ?

उत्तर - हल्कू ने कंबल के लिए तीन रुपए रखे थे।

प्रश्न 4 हल्कू से पैसा वसूलने कौन आया था ?

उत्तर - हल्कू से पैसा वसूलने सहना आया था।

प्रश्न 5 खेत की रखवाली के

Edit with WPS Office

लिए हल्कू ने क्या व्यवस्था की थी ?

उत्तर - खेत की रखवाली के लिए हल्कू ने खेत में गन्ने के पत्तों से एक छप्पर बनाई थी।वहाँ बाँस का एक खटोला था जिस पर सोने के लिए सिर्फ एक चादर थी।

प्रश्न 6 पूस के समय कौन -

Edit with WPS Office

सी हवा बह रही थी ?

उत्तर - पूस के समय पछुआ हवा बह रही थी ।

प्रश्न 7 जबरा ने क्या ताड़ लिया ?

उत्तर - जबरा ने यह ताड़ लिया कि उसकी कूं-कूं से मालिक को नींद नहीं आ रही है ।

Edit with WPS Office

प्रश्न 8 हल्कू ने रात का अनुमान कैसे लगाया ?

उत्तर - हल्कू ने आकाश में सप्तर्षि देखकर अनुमान लगाया कि रात पहर भर से ऊपर है ।

प्रश्न 9 हल्कू के खेत का किस जानवर ने सर्वनाश कर डाला ?

Edit with WPS Office

उत्तर - हल्कू के खेत का नीलगायों ने सर्वनाश कर डाला ।

प्रश्न 10 हल्कू ने मुन्नी की डाट से बचने के लिए क्या बहाना बनाया ?

उत्तर - हल्कू ने मुन्नी की डाट से बचने के लिए पेट दर्द का बहाना बनाया ।

Edit with WPS Office

प्रश्न 11 खेत की बर्बादी के लिए कौन जिम्मेदार था ?

उत्तर - खेत की बर्बादी के लिए हल्कू का आलसपन जिम्मेदार था।

प्रश्न 12 'मजूरी हम करें ,मजा दूसरे लूटें '- इस पंक्ति का वक्ता कौन है ?

उत्तर - इस पंक्ति का वक्ता

Edit with WPS Office

हल्कू है।

प्रश्न 13 'बाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जन्म हुआ है।' - इस पंक्ति का वक्ता कौन है ?

उत्तर - इस पंक्ति की वक्ता मुन्नी है।

प्रश्न - ' पूस की रात ' कहानी का सारांश अपने शब्दों में

Edit with WPS Office

लिखिए ।

उत्तर - ' पूस की रात '
कहानी भारतीय किसान की दयनीय स्थिति को दर्शाती है ।किसान का जीवन संघर्षों से भरा होता है ।हल्कू की जिंदगी भी कुछ इसी तरह है।सहना सूद का ब्याज लेने उसके घर आ धमकता है।वह बेचारा गाली-गलौज

Edit with WPS Office

से बचने के लिए न चाहते हुए भी तीन रुपए दे देता है ।उसकी पत्नी मुन्नी रुपए देने से मना करती है क्योंकि ये रुपए उसने कंबल के लिए काफी मशक्कत से बचाए थे।मुन्नी हल्कू को काफी झिड़कियाँ देती है, परंतु न चाहते हुए भी उसके प्रस्ताव को मान लेती है ।

Edit with WPS Office

हल्कू ने ठंड की परवाह न करते हुए तीन रुपए दे दिए, किंतु पूस की ठंड रात को सहने के लिए उसके पास एक चादर के सिवा कुछ न था ।ऊँख की छप्पर में खटोले पर बैठकर वह काँपता रहा ।आठ-दस चिलम पी डाली।इससे भी काम न बना तो अपने कुत्ते

Edit with WPS Office

जबरा को गोद में लेकर चिपटा लिया ।ऐसा उसने कभी न किया था , लेकिन आज दोनों काफी निकट आ गए थे ।वह भयानक रात कितनी जल्दी बीते ,इसका ही वह इंतजार करता है ।

वह करवट बदलता है ।जबरा भी ठंड से कूं -कूं

Edit with WPS Office

करता है।अंत में दोनों बगल के आम के बगीचे में गए।वहाँ पत्तियाँ बटोरकर तापीं। आग को लाँघने का खेल भी किया। जब आग बुझ गई तो हल्कू उस गर्म राख के पास ही बैठ गया।वहाँ पर बैठकर जो गर्मी उसे मिली उसे वह छोड़कर जाना नहीं

Edit with WPS Office

चाहता।वह जानता है कि नीलगाएँ फसल चर रही हैं फिर भी वह अनजान बना रहता है ।उसका कुत्ता जबरा बार-बार भौंकता है।उसके प्रयास को देखकर वह भी इरादा करके उठता है ,किंतु ठंड हवा का झोंका वह सहन नहीं कर पाया।फिर आकर शांत बैठ गया ।अंत में वहीं

Edit with WPS Office

राख के पास गरम जमीन पर चादर ओढ़कर सो गया।
सारी फसल बर्बाद हो गई ।
सबेरे मुन्नी आकर उसे जगाती है।उसे वह ज्यादा कोसती इससे पहले वह पेट दर्द का बहाना बना लेता है ।एक तरफ मुन्नी बेचारी इस बात को लेकर उदास थी कि मालगुजारी कैसे

Edit with WPS Office

चुकाई जाएगी तो दूसरी तरफ हल्कू प्रसन्न था।उसे अब खेत में सोना नहीं पड़ेगा ।